Q1. The Indian voter is an important pillar of India's democracy. In what ways does SIR help in strengthening this pillar? Explain.

ANS: - The Indian voter is the most important pillar of India's democratic system, as sovereignty ultimately resides in the people and free and fair elections depend upon the accuracy and inclusiveness of the electoral process. In this context, the **Special Intensive Revision (SIR) of Electoral Rolls** plays a crucial role in strengthening this democratic pillar while safeguarding constitutional values.

Under **Article 326 of the Indian Constitution**, elections to the House of the People and State Legislative Assemblies are based on **universal adult suffrage**, guaranteeing every citizen above 18 years of age the right to vote without discrimination. SIR operationalizes this mandate by ensuring that **no eligible voter is excluded and no ineligible voter is included** in the electoral rolls.

Firstly, **SIR enhances the integrity and purity of elections** by identifying and removing duplicate, fake, or deceased entries, thereby preventing electoral fraud and upholding the principle of *"one person, one vote, one value."*

Secondly, **it promotes inclusiveness and wider democratic participation** by enrolling eligible voters who may have been left out earlier, such as first-time voters, migrants,

urban poor, women, and marginalized sections. This ensures that the constitutional right under Article 326 is **not violated due to administrative lapses**.

Thirdly, **SIR improves transparency and public trust** through door-to-door verification, public claims and objections, and the involvement of Booth Level Officers (BLOs), ensuring accountability and citizen engagement in the electoral process.

Fourthly, **procedural safeguards under SIR**, including prior notice, opportunities for correction, and appeal mechanisms, prevent arbitrary deletion of names and protect voters from disenfranchisement.

Finally, **SIR strengthens administrative efficiency and voter awareness** by updating voter data such as address and age, reducing polling-day errors, and empowering citizens with knowledge of their rights and responsibilities.

Conclusion: By balancing accuracy with inclusiveness and by adhering to due process, SIR reinforces the constitutional guarantee of universal adult suffrage under Article 326. Thus, it strengthens the Indian voter and deepens democratic legitimacy in India.

Q1. **भारत के लोकतंत्र का महत्वपूर्ण स्तंभ भारतीय वोटर है SIR इस स्तंभ को मजबूत करने में किस प्रकार सहायक है ? स्पष्ट करें।**

भारतीय मतदाता भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्था का सबसे महत्वपूर्ण स्तंभ है, क्योंकि संप्रभुता अंततः जनता में निहित होती है और स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव निर्वाचन प्रक्रिया की शुद्धता और समावेशिता पर निर्भर करते हैं। इस संदर्भ में, मतदाता सूची के **विशेष गहन पुनरीक्षण (Special Intensive Revision – SIR)** की भूमिका इस लोकतांत्रिक स्तंभ को सुदृढ़ करने में अत्यंत महत्वपूर्ण है, साथ ही यह संवैधानिक मूल्यों की रक्षा भी करता है।

भारतीय संविधान के **अनुच्छेद 326** के अंतर्गत लोकसभा एवं राज्य विधानसभाओं के चुनाव **सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार** पर आधारित हैं, जो 18 वर्ष से अधिक आयु के प्रत्येक नागरिक को बिना किसी भेदभाव के मतदान का अधिकार प्रदान करता है। SIR इस संवैधानिक प्रावधान को व्यवहार में लागू करता है, यह सुनिश्चित करके कि कोई भी पात्र मतदाता वंचित न रहे और कोई भी अपात्र व्यक्ति मतदाता सूची में सम्मिलित न हो।

प्रथम, **SIR चुनावों की शुचिता और पवित्रता को सुदृढ़ करता है**। यह दोहरे, फर्जी अथवा मृत मतदाताओं के नामों की पहचान कर उन्हें हटाता है, जिससे चुनावी कदाचार पर रोक लगती है और "एक व्यक्ति, एक मत, एक मूल्य" के सिद्धांत को बल मिलता है।

द्वितीय, **यह समावेशिता एवं व्यापक लोकतांत्रिक सहभागिता को बढ़ावा देता है**। SIR उन पात्र मतदाताओं का पंजीकरण करता है जो पूर्व में छूट गए हों, जैसे—पहली बार मतदान करने वाले युवा, प्रवासी, शहरी गरीब, महिलाएँ एवं हाशिए पर रहने वाले वर्ग। इससे यह सुनिश्चित होता है कि अनुच्छेद 326 के अंतर्गत प्रदत्त मताधिकार प्रशासनिक त्रुटियों के कारण बाधित न हो।

तृतीय, **SIR पारदर्शिता और जनविश्वास को बढ़ाता है**। घर-घर सत्यापन, दावे एवं आपत्तियों की प्रक्रिया तथा बूथ लेवल अधिकारियों (BLOs) की भागीदारी से जवाबदेही सुनिश्चित होती है और नागरिकों की सक्रिय सहभागिता बढ़ती है।

चतुर्थ, **SIR के अंतर्गत निहित प्रक्रियात्मक सुरक्षा उपाय**, जैसे—पूर्व सूचना, सुधार का अवसर तथा अपील की व्यवस्था, मतदाता सूची से नामों की मनमानी कटौती को रोकते हैं और मतदाताओं को वंचित होने से बचाते हैं।

अंततः, **SIR प्रशासनिक दक्षता एवं मतदाता जागरूकता को सुदृढ़ करता है**। यह पता, आयु आदि मतदाता विवरणों को अद्यतन कर मतदान के दिन होने वाली त्रुटियों को कम करता है तथा नागरिकों को उनके अधिकारों और कर्तव्यों के प्रति जागरूक बनाता है।

निष्कर्ष:शुद्धता और समावेशिता के बीच संतुलन बनाते हुए तथा विधि द्वारा स्थापित प्रक्रिया का पालन करते हुए, SIR अनुच्छेद 326 के अंतर्गत निहित सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार की संवैधानिक गारंटी को सुदृढ़ करता है। इस प्रकार, यह भारतीय मतदाता को सशक्त बनाकर भारत में लोकतांत्रिक वैधता को और गहराई प्रदान करता है।

Q2. In a democracy, the voter is considered the most decisive authority. Systematic Voters' Education and Electoral Participation developed by the Election Commission of India and commonly known as SVEEP, is playing a revolutionary role in strengthening this pillar. This can be understood in the following ways:

1. Dissemination of neutral and accurate information

- During elections, the problem of *fake news* and *misinformation* often increases.
- Providing voters with accurate information about election dates, the voter registration (Voter ID) process, and polling stations.
- Explaining electoral processes such as the functioning of **EVMs and VVPATs**.

2. Voter awareness and education, such as:

- The primary objective of **SIR/SVEEP** is to make voters aware of their constitutional rights.
- Ensuring that every citizen who has attained the age of 18 years is included in the electoral roll.
- Ensuring that no one is left behind, including the registration of homeless persons, migrants, and marginalized communities.

3. Inclusive democracy (Inclusivity), such as:

- Encouraging young voters, especially first-time voters.
- Youth participation brings new energy and vision into future politics.
- Bringing women and rural voters to polling booths by breaking patriarchal and geographical barriers.
- Facilities like the **'Saksham App'** for Persons with Disabilities (PwDs).
- **Home voting for senior citizens**—providing the option of voting from home for citizens above 85 years of age.

4. Ethical and voluntary voting, such as:

- The strength of democracy lies not merely in casting a vote, but in voting correctly and without inducement.
- Promoting inducement-free voting by discouraging voters from accepting liquor, money, or gifts in exchange for votes.
- Encouraging voters to rise above caste and religion and make choices based on the merit and competence of candidates.
- The **C-Vigil App**, which empowers citizens to directly report violations of the Model Code of Conduct to the Election Commission of India during elections.

5. Increase in voter turnout

- Generally, voter apathy is higher in urban areas, where people often treat polling day as a holiday.
- Through various campaigns, advertisements, and the use of *social media influencers*, the SIR/SVEEP programme conveys that even a single vote can change the direction of the nation.

6. Promoting transparency and accountability, such as:

- Analysis of candidates, including their educational qualifications, criminal antecedents, and asset declarations.
- Comparative study of party manifestos.

Conclusion:SIR transforms the voter from a mere "number" into an **aware and informed citizen**. When voters are conscious and well-informed, they choose accountable governments, ensuring that this pillar of democracy remains strong and resilient.**"An alert voter ensures a secure democracy."**

Q2. लोकतंत्र में मतदाता को सबसे बड़ा निर्णायक माना जाता है। भारतीय निर्वाचन आयोग द्वारा विकसित Systematic Voters' Education and Electoral Participation जिसे हम आमतौर पर SVEEP के नाम से जानते हैं, इस स्तंभ को मजबूत करने में एक क्रांतिकारी भूमिका निभा रहा है। जिसे विभिन्न तरह से समझा जा सकता है

1. तटस्थ और सही जानकारी का प्रसार

● अक्सर चुनावों के दौरान 'फेक न्यूज' और 'दुष्प्रचार' (Misinformation) की समस्या बढ़ जाती है।

● मतदाताओं को चुनाव की तारीखों, मतदाता पंजीकरण (Voter ID) की प्रक्रिया और मतदान केंद्रों के बारे में सटीक जानकारी प्रदान करना।

● प्रक्रिया को समझाना जैसे - EVM & VVPAT

2.मतदाता जागरूकता और शिक्षा। जैसे -

● SIR/SVEEP का मुख्य उद्देश्य मतदाताओं को उनके संवैधानिक अधिकारों के प्रति जागरूक करना।

● यह सुनिश्चित करना कि 18 वर्ष की आयु प्राप्त कर चुके हर नागरिक का नाम मतदाता सूची में हो।

● कोई पीछे न छूटे जैसे - बेघर लोगों, प्रवासियों और हाशिए पर रहने वाले समुदायों का पंजीकरण सुनिश्चित करना।

3.समावेशी लोकतंत्र (Inclusivity)। जैसे -

● युवा मतदाता अर्थात पहली बार वोट देने वालों को प्रोत्साहित करना।

● युवा भागीदारी - भविष्य की राजनीति में नई ऊर्जा और विजन।

● महिलाएं और ग्रामीण क्षेत्र, पितृसत्तात्मक या दूरस्थ क्षेत्रों की बाधाओं को तोड़कर उन्हें बूथ तक लाना।

● दिव्यांगजन (PwD) के लिए 'सक्षम' ऐप जैसी सुविधाएं

● बुजुर्गों के लिए होम वोटिंग - 85 वर्ष से अधिक आयु के नागरिकों के लिए घर से वोट देने का विकल्प देना।

4.नैतिक और स्वैच्छिक मतदान (Ethical Voting) । जैसे -

● लोकतंत्र की मजबूती सिर्फ वोट डालने में नहीं, बल्कि सही और बिना किसी लालच के वोट डालने में है।

● प्रलोभन मुक्त मतदान अर्थात मतदाताओं को शराब, पैसा या अन्य उपहारों के बदले वोट न देने के लिए प्रेरित करना।

● जाति-धर्म से ऊपर उठना अर्थात उम्मीदवारों के योग्यता के आधार पर निर्णय लेने की शिक्षा देना।

● C-Vigil ऐप - चुनाव के दौरान आचार संहिता के उल्लंघन की रिपोर्ट सीधे ECI को करने की शक्ति देना।

5. मतदान प्रतिशत में वृद्धि - सामान्यत: शहरी क्षेत्रों में लोग छुट्टी समझकर घर बैठ जाते हैं। SIR कार्यक्रम विभिन्न अभियानों, विज्ञापनों और "सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स" के माध्यम से लोगों को यह समझाता है कि उनका एक वोट देश की दिशा बदल सकता है।

6.पारदर्शिता और जवाबदेही में मदद। जैसे -

- उम्मीदवारों का विश्लेषण। जैसे उम्मीदवारों की शिक्षा, आपराधिक रिकॉर्ड या संपत्ति का विवरण
- घोषणापत्र का तुलनात्मक अध्ययन

निष्कर्षत: SIR मतदाता को केवल एक 'संख्या' से बदलकर एक 'जागरूक नागरिक' बनाता है। जब मतदाता जागरूक और सूचित होता है, तो वह एक जवाबदेह सरकार चुनता है, जिससे लोकतंत्र का यह स्तंभ अडिग रहता है। "सतर्क मतदाता, सुरक्षित लोकतंत्र"